एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, नवमी,
शुक्रवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

20दिसंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

लखनऊ में सीएए के समर्थन में ऑटो संघ ने की हड़ताल, राजस्थान में समर्थन करने वालों पर एफआईआर

लखनऊ/ चित्तोड़गढ़

जहां एक ओर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने सीएए के विरोध में लोगों को उकसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी वहीं लखनऊ के ऑटो संघ ने सीएए का समर्थन करते हुए गुरुवार को ऑटो का संचालन ठप कर दिया। यह पहला मौका है जब किसी संगठन ने अपना समर्थन देने के लिए संचालन बंद किया है। हालांकि, लखनऊ ऑटो रिक्शा एवं थ्री वीलर संघ (लाट्र्स) और लखनऊ ऑटो ओनर चालक वेलफेयर असोसिएशन के आह्वान के बावजूद करीब 20 प्रतिशत ऑटो चालक वाहन चलाते रहे।

राजस्थान में सीएए के समर्थन में प्रदर्शन करने पर मामला दर्ज

इसके उलट राजस्थान के चित्तोड़गढ़ में सीएए और एनआरसी के समर्थन में प्रदर्शन करने पर कोतवाली थाना पुलिस ने कई लोगों पर धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि इस्लामिया अंजुमन कमेटी के सदर गनी मोहम्मद ने शिकायत की थी। सीएए के समर्थन में स्वतः स्फूर्त चंदवा बंद रहा। गुरुवार की दोपहर ही दुकानें खुली। व्यावसायी व ग्रामीण सीएए के समर्थन में दुकान व प्रतिष्ठान बंद कर प्लस टू हाई स्कूल स्टेडियम पहुंचे और वहां आयोजित सभा में हिस्सा लिए। सभा को संबोधित करते हुए भैरव सिंह (रांची), लाल कौशल नाथ शाहदेव, लाल अमित नाथ शाहदेव, राजकुमार पाठक, राजकुमार साहू, राजू पाठक, रविराज समेत अन्य वक्ताओं ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून से देश के किसी भी नागरिक की नागरिकता को खतरा नहीं है। एक राजनीतिक षड्यंत्र के तहत कुछ लोगों के इशारे पर देश में उन्माद फैलाने का प्रयास किया जा रहा है।

लखनऊ में साबित हुआ सीएए पर हिंसा के पीछे कांग्रेस और विरोधी दल

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा के विरोध प्रदर्शन में भड़की हिंसा ने साबित किया कि सीएए पर हो रही हिंसा के पीछे कौन है? राजस्थान में सीएए के समर्थन में रैली निकालने वालों पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

लखनऊ

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन ने गुरूवार को गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल कहे जाने वाले नवाबों के शहर लखनऊ पर हिंसा का दाग लगा दिया वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल में उपद्रवियों ने आगजनी और तोड़फोड़ कर तनाव फैलाने की कोशिश की।

प्रदेश की योगी सरकार ने नये कानून की आड़ में विरोध प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर पहले से ही राज्य भर में धारा 144 लागू कर दी थी और शुक्रवार तक जुलूस एवं धरना प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी लेकिन सुरक्षा बलों के तमाम इंतजामों को धता बताते हुये उपद्रवी बीच सड़क पर निकले और जमकर तांडव किया। पुलिस ने हिंसा पर उतारू भीड़ को तितर बितर करने के लिये आंसू गैस के गोले दागे और लाठिया भांजी।

लखनऊ के परिवर्तन चौक पर कांग्रेस और सपा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू समेत कई अन्य नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठियां भांजी और आंसू गैस के गोले दागे। कलेक्ट्रेट और कैसरबाग क्षेत्रमें सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी दी।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और नारेबाजी की। पुराना लखनऊ इलाके में मदेहगंज चौकी के पास उपद्रवियों ने तोड़ फोड़ कर कुछ वाहनो में आग लगा दी। हजरतगंज में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बल पर जमकर पथराव किया जिसके जवाब में पुलिस ने उन पर लाठी चलायी। प्रदर्शन को देखते हुए परिवर्तन चौक के पास केडी सिंह बाबू मेट्रो स्टेशन को शाम पांच बजे तक बंद कर दिया गया। प्रशासन ने शान्ति बनाये रखने की अपील की है।

अधिकृत सूत्रों के अनुसार लखनऊ में हिंसा फैलाने के आरोप में 500 लोगों को हिरासत में लिया गया है जबकि राज्य भर में दो हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। लखनऊ और सम्भल में हुई हिसंक घटनाओं को गंभीरता से लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपद्रवियों से सख्ती से निपटने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। उन्होने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है।

विपक्षी दलों के बंद की आड़ में किए गये प्रदर्शन के दौरान लखनऊ और सम्भल में आगजनी और तोडफोड की घटनाये हुयीं और सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। बंद का आवाहन करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर उनकी सम्पति जब्त कर नुकसान की भरपाई की जायेगी।

उधर झारखंड के चंदवा में सीएए के समर्थन में स्वतः स्फूर्त बंद रहा। गुरुवार की दोपहर ही दुकानें खुली। व्यावसायी व ग्रामीण सीएए के समर्थन में दुकान व प्रतिष्ठान बंद कर प्लस टू हाई स्कूल स्टेडियम पहुंचे और वहां आयोजित सभा में हिस्सा लिए।

युवा मोर्चा ने प्रदेश सरकार के खिलाफ किया आक्रोष आंदोलन

इंदौर

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने आज प्रदेश की कांग्रेस सरकार को विधानसभा चुनाव के समय युवाओं से किये गये झूठे वादों को याद दिलाने के लिये प्रदेश व्यापी युवा आक्रोष आंदोलन करते हुए प्रदर्शन किया। भाजयुमो के कार्यकर्ता अन्य युवाओं के साथ जब कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने पहुंचे तो प्रशासन के द्वारा उन पर लाठीचार्ज किया गया। जो कि निंदनीय और शर्मसार करने वाला है। कमलनाथजी की सरकार को एक वर्ष पूर्ण हो गया। लेकिन उनके द्वारा चुनाव के समय युवाओं से किये गये किसी भी वादे को पूरा नहीं किया गया, इसी को याद दिलाने के लिये आज युवा आक्रोषित होकर सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे और लाठीचार्ज व इस ठंडे मौसम में ठंडे पानी की बौछारों के प्रहार की चिंता ना करते हुए जबर्दस्त आंदोलन किया। पुलिस के लाठीजार्च से कई युवाओं को चोट भी लगी है जिनका कोई इलाज भी नहीं किया गया। आंदोलन करने वाले सैकड़ों युवाओं को पुलिस प्रशासन के द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने लाठीजार्च और गिरफ्तारी की घोर निंदा व विरोध करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने अपने वचन पत्र में युवाओं को सपने दिखाए थे, बेरोजगारों को 4 हजार रूपये प्रतिमाह भत्ता देने की बात कहीं थी। अब बेरोजगार युवाओं की तरफ कांग्रेस सरकार का ध्यान नहीं है।